उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय, हरिद्वार

प्रदत्त कार्य 2020–21

विशेष बैक पेपर

कक्षा..... विषय.....

पत्र..... पत्रकोड.....

अनुक्रमांक..... नामांकन संख्या.....

परीक्षार्थी हस्ताक्षर प्राचार्य हस्ताक्षर

नोटः–उपरोक्त सूचना स्पष्ट भरें। परीक्षार्थी सिर्फ अनुक्रमांक ही भरे। परीक्षार्थी अपना नाम न लिखें। प्रदत कार्य स्वहस्तलिखित ही मान्य होगा अन्यथा की स्थिति में निरस्त कर दिया जायेगा।

उत्तराखण्ड–संस्कृत–विश्वविद्यालयः, हरिद्वारम्

प्रदत्तकार्यम् (विशेष बैक पेपर)

परीक्षा : आचार्य सत्रम् : प्रथमसत्रम्

विषय : साहित्य

पत्रम् : प्रथमपत्रम् (कूटसंख्या–**CC-01**)

पूर्णांकाः–80

प्रथमो भागः

(लघूत्तरीयात्मकः) 150 शब्देषु

1 केचन पचंप्रश्नाः समाधेयाः। प्रत्येकं– 04

1. 'प्रयोजनेन सहितं लक्षणीयं न युज्यते' पङिक्तरियं सप्रसङ्गं व्याख्येया।
2. काव्यप्रकाशोक्तं ध्वनिकाव्यं सोदाहरणं विवेचयत।
3. उपदानलक्षणा लक्षणलक्षणा च सोदाहरणं विवेचनीया।
4. शब्दशक्त्युत्थध्वनिं सोदाहरणं निरूपयत।
5. 'तात्पर्यार्थोऽपि केषुचित'' इत्यस्याशयं स्पष्टयत।
6. वक्तृवैशिष्ट्याद्वाच्यस्य व्यंजकत्वं स्पष्टयत।

द्वितीयो भागः

(टिप्पण्यात्मकः) 500 शब्देषु

2. केचन चत्वारः प्रश्नाः समाधेयाः। प्रत्येकं– 05

1. काकुवैशिष्ट्याद्वाच्यस्य वयंजकत्वम्।
2. विप्रलम्भशृङ्गारः।
3. गुणीभूतव्यङग्यम्।
4. भट्टनायकस्य रससिद्धान्तः।
5. लक्षणामूलध्वनिः।
6. लक्षणायाः षड्विधत्वम्।

तृतीयो भागः

(निबन्धात्मकः) 1000 शब्देषु

3. कयोश्चिद्द्वयोरेव प्रश्नयोःसमाधानं कार्यम्। प्रत्येकं– 20

1. अभिनवगुप्ताचार्याभिमतरससिद्धान्तस्य निरूपणं क्रियताम्।
2. 'तदाभासा अनौचित्यप्रवर्तिताः' इति कारिकांशं सोदाहरणं स्पष्टयत।
3. 'भेदा अष्टाशास्य तत्' इति कारिकांशं विवृणुत।
4. काव्यप्रकाशदिशा काव्यप्रयोजनानि स्पष्टयत।

उत्तराखण्ड–संस्कृत–विश्वविद्यालयः, हरिद्वारम्

प्रदत्तकार्यम् (विशेष बैक पेपर)

परीक्षा : आचार्य सत्रम् : प्रथमसत्रम्

विषय : साहित्य

पत्रम् : चतुर्थपत्रम् (कूटसंख्या–**CC-04**)

पूर्णांकाः–80

प्रथमो भागः

(लघूत्तरीयात्मकः) 150 शब्देषु

1 केचन पचंप्रश्नाः समाधेयाः। प्रत्येकं– 04

1. 'को हर्तुमिच्छति हरेः परिभूय दंष्ट्राम्' इत्यस्य अभिप्रायः कः ?
2. 'ते भृत्या नृपतेः कलत्रमितरे, सम्पत्सु चापसुच इत्यस्य व्याख्या कार्या।
3. 'सम्पूर्णमण्डलेऽपि यानि चन्द्रे विरुद्धानि' इत्यस्य आशयः कः ?
4. 'यदुद्गिरति भ्रमरस्तदन्येषां करोति कार्यम्' इत्यस्य व्याख्या कार्या।
5. 'पृथिव्यां स्वामिभक्तानां प्रमाणे परमे स्थितः' इत्यस्य अभिप्रायः कः ?
6. 'वनगज इव तस्मात् सोऽभ्युपायैर्विनेयः' इत्यस्य अर्थः कः ?

द्वितीयो भागः

(टिप्पण्यात्मकः) 500 शब्देषु

2. केचन चत्वारः प्रश्नाः समाधेयाः। प्रत्येकं– 05

1. 'वर्द्धते निर्दोषस्यापि शंका किं जातदोषस्य' इत्यस्य अभिप्रायः कः ?
2. 'हिमवति दिव्यौषधयः शीर्षे सर्पः समाविष्टः' इत्यस्य आशयः कः ?
3. 'परलोकगतो देवः कृतघ्नैर्नानुगम्यते' इत्यस्य व्याख्या कार्या।
4. 'प्रीतिं परां प्रगुणयन्ति गुणा ममैते। इत्यस्य अभिप्रायः कः ?
5. मुद्राराक्षसस्य तृतीयांकस्य सारः लेख्यः।
6. 'अन्यथा विवृतार्थेषु स्वैरालापेषु मन्त्रिणः इत्यस्य अर्थः कः ?

तृतीयो भागः

(निबन्धात्मकः) 1000 शब्देषु

3. कयोश्चिद्द्वयोरेव प्रश्नयोःसमाधानं कार्यम्। प्रत्येकं– 20

1. विशाखदत्तस्य पाण्डित्यं लेखनीयम।
2. मुद्राराक्षसस्य पंचमांकस्य सारः लेख्यः।
3. मलयकेतोः चरित्रचित्रणं क्रियताम्।
4. चाणक्यस्य चरित्रचित्रणं विवेचनीयम्।

उत्तराखण्ड–संस्कृत–विश्वविद्यालयः, हरिद्वारम्

प्रदत्तकार्यम् (विशेष बैक पेपर)

परीक्षा : आचार्य सत्रम् : प्रथमसत्रम्

विषय : फलितज्योतिष

पत्रम् : द्वितीयपत्रम् (कूटसंख्या–**CC-02**)

पूर्णांकाः–80

प्रथमो भागः

(लघूत्तरीयात्मकः) 150 शब्देषु

1 केचन पचंप्रश्नाः समाधेयाः। प्रत्येकं– 04

1. अर्थाप्ति योगं व्याख्यताम्।
2. रविग्रहेण प्राप्त–आजीविकायाः साधनानि विलिख्य व्याख्यायताम्।
3. हंसयोग विषये व्याख्यायताम्।
4. दुर्धरायोग विषये व्याख्यायताम्।
5. माला योगस्य लक्षणं विलिख्य प्रतिपाद्यताम्।
6. राजयोगः इतिविषयं अधिकृत्य प्रतिपाद्यताम्।

द्वितीयो भागः

(टिप्पण्यात्मकः) 500 शब्देषु

2. केचन चत्वारः प्रश्नाः समाधेयाः। प्रत्येकं– 05

1. वृहस्पतिग्रहः।
2. रुचकयोगः।
3. मालययोगः।
4. लक्ष्मीयोगः।
5. सुनफायोगः।
6. रोगयोगः।

तृतीयो भागः

(निबन्धात्मकः) 1000 शब्देषु

3. कयोश्चिद्द्वयोरेव प्रश्नयोःसमाधानं कार्यम्। प्रत्येकं– 20

1. पंच महापुरुषयोगानां विषये स्वोदाहरणपूर्वकं विलिख्य प्रस्तूयताम्।
2. कर्मजीव विषयमधिकृत्य निबन्धो लेख्यः।
3. अधमवंशस्योत्पन्न जातकस्य राजयोग विषये व्याख्यायताम्।
4. शास्त्रोक्तद्वष्ट्या सप्रमाणपूर्वकं कलव विषये शुभाशुभयोगाः विविच्यताम्।

उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय, हरिद्वार

प्रदत्तकार्य(विशेष बैक पेपर)

परीक्षा : एम.ए. (आचार्य) सत्र : प्रथमसत्र

विषय : इतिहास

पत्र : प्रथमपत्र (कूटसंख्या–**CC-01**)

पूर्णांक–100

प्रथम भाग

(लघूउत्तरीय प्रश्न) 150 शब्दों में

निम्नलिखित 06 प्रश्नों में से किन्हीं 05 प्रश्नों के उत्तर दीजिये। प्रत्येक प्रश्न 04 अंक का है। प्रत्येक– 04

1. इतिहास का अर्थशास्त्र से क्या सम्बन्ध है ?
2. विल्हण के जीवनवृत्त पर संक्षिप्त प्रकाश डालिए।
3. आधुनिक इतिहासकार वी.ए. स्मिथ के जीवन वृत्त का संक्षिप्त प्रकाश डालिए।
4. ऐतिहासिक ग्रंथ के रूप में बौद्ध ग्रंथ मिलिन्दपन्हो पर चर्चा कीजिए।
5. इतिहास के अर्थ को स्पष्ट कीजिए।
6. इतिहास लेखन में प्राच्यवाद पर प्रकाश डालिए।

द्वितीय भाग

(टिप्पण्यात्मकः) 500 शब्दों में

निम्नलिखित 06 प्रश्नों में से किन्हीं 04 प्रश्नों के उत्तर दीजिये। प्रत्येक प्रश्न 05 अंक का है। प्रत्येक– 05

1. इतिहास लेखन में राष्ट्रवादी दृष्टिकोण को स्पष्ट कीजिए।
2. इतिहास का समाजशास्त्र में सम्बन्ध को स्पष्ट कीजिए।
3. इतिहास लेखन की वैदिक परम्परा में आख्यान के महत्व को समझाइये।
4. डी.डी.कौशाम्बी पर टिप्पणी लिखिए।
5. इतिहास लेखन की चीनी परम्परा में कनफ्यूशियस के योगदान को स्पष्ट कीजिए।
6. रोमन इतिहासकार टी लिवी पर टिप्पणी लिखिए।

तृतीय भाग

(निबन्धात्मक एवं विवरणात्मक) 1000 शब्दों में

निम्नलिखित 04 प्रश्नों में किन्हीं 02 प्रश्नों के उत्तर दीजिये। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है। प्रत्येक– 20

1. इतिहास के क्षेत्र पर सविस्तार प्रकाश डालिए।
2. इतिहास लेखन की यूनानी परम्परा में हेरोजोटस के महत्व को प्रदर्शित कीजिए।
3. इतिहास लेखन की बौद्ध परम्परा में त्रिपिटिक के योगदान को स्पष्ट कीजिए।
4. प्राचीन भारतीय इतिहास के रूप में वाणभट्ट पर प्रकाश डालिए।